सम्पादकीय

राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन एवं राजस्थान शिक्षक प्रशिक्षण विद्यापीठ शाहपुराबाग, जयपुर द्वारा श्री श्री 1008 भुवनेश्वरानंद जी महाराज, महंत श्री राम प्रसाद जी महाराज एवं महंत श्री हरिशंकर दास जी वेदांती के शुभाशीर्वाद के परिणामस्वरूप **'शिक्षा कौस्तुभ'** त्रैमासिक शोधपत्रिका के प्रथम वर्ष का द्वितीय अंक प्रकाशित किया जा रहा है। 'संस्कृत सुमेरु' विद्वत् - शिरोमणि स्व. पं. मोतीलाल जी जोशी के संकल्प की परिणति के रूप में उनकी शाश्वती प्रेरणा का यह उत्कृष्ट आयाम विज्ञ परामर्शदाताओं के सत्परामर्श से निर्मित किया जा कर संपादक मण्डल द्वारा सम्पादित किया जा रहा है।

त्रैमासिक शोध पत्रिका के इस अंक में शिक्षा, संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान के विषयों पर उत्कृष्ट विद्वानों के लेख-शोधलेख संकलित है। सर्वप्रथम राष्ट्रपतिसम्मानित देवर्षि कलानाथ शास्त्री द्वारा लिखित 'गीताप्रेस के चिरस्मरणीय पुरोधा : चिम्मनलाल गोस्वामी' लेख में गोस्वामी जी के व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व को प्रकाशित करते हुए शास्त्री जी ने राजस्थान के गौरव को बढ़ाया है। तत्पश्चात् राष्ट्रपति सम्मापित प्रो. वैद्य बनवारीलाल गौड द्वारा लिखित 'अयुक्तियुक्त व्यायाम से हृदयाघात' लेख में हृदयाघात के कारणों का उल्लेख करते हुए शास्त्रोक्त विधि से निवारण भी बताया है। भारतीय विद्या मनीषी पं. महेश दत्त शर्मा 'गुरुजी' द्वारा 'महावीर विक्रम बजरंगी । कुमति निवार सुमति के संगी ।।' नामक चौपाई का अनेक तुलसी साहित्य के ग्रन्थों से व्याख्या करते हुए नवीन दृष्टि दी है।

महन्त हरिशंकरदास वेदान्ती द्वारा लिखित 'वैष्णव परम्परा' लेख में आचार्य रामान्नदाचार्य की राजस्थान में पल्लिवित परम्परा का उल्लेख किया है। तत्पश्चात् प्रो. सरोज कौशल द्वारा लिखित 'स्त्री-विमर्श : वैदिक ऋषिकाओं के सन्दर्भ' शोधलेख में वैदिककाल में स्त्री शिक्षा एवं स्त्री महत्त्व को प्रकाशित कर वैदिक संस्कृति का मण्डन किया है। डॉ. सुभद्रा जोशी द्वारा लिखित 'संस्कृत भाषा एवं उसके विविध रूप' शीर्षक लेख में संस्कृत भाषा के महत्ता को उजागर किया है। श्रीमती कविता कुमारी शर्मा द्वारा लिखित 'महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्यसंतुष्टि का अध्ययन' शोधलेख में वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था को बताया है। संगीता शर्मा द्वारा लिखित 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' लेख शिक्षा की गुणवत्ता का महत्त्व बताया है। दिलीप कुमार पारीक द्वारा लिखित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : क्रियान्वयन ' लेख में 2020 की शिक्षा नीति का सम्पूर्ण प्रारूप प्रस्तुत किया है। डॉ. मनीषा शर्मा द्वारा लिखित 'Challenges in Communication and Dissemination of Traditional Knowledge शोध लेख में चुनौतियों का स्वीकारते हुए प्राचीन एवं वर्तमान का समन्वय मनोवैज्ञानिक दृष्टि से प्रस्तुत किया हैं, जो अत्यंत उपयोगी है।

आशा है, सुधी पाठक इन्हें रुचिपूर्वक हृदयंगम करने हेतु उत्साहशील होंगे।

शुभकामनाओं सहित....

प्रधान संपादक - डॉ. मनीषा शर्मा